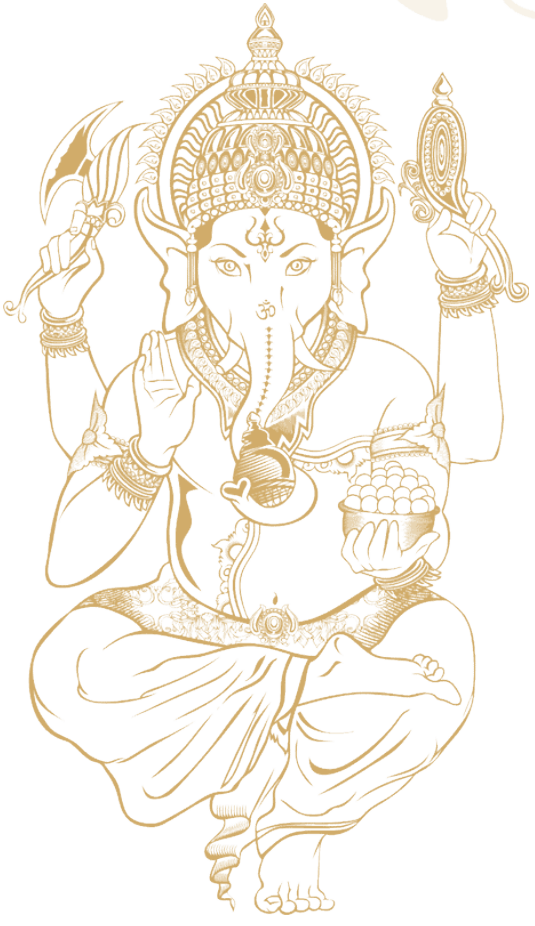

Mr.Samyak

Ms.Sumegha jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119988507

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/12/1996	जन्म तिथि	07/04/1997
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:45:00	जन्म समय	14:52:00 घंटे
घटी 06:52:59	जन्म समय(घटी)	22:03:16 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Damoh
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	23:50:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	79:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:12:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:59:48	सूर्योदय	05:58:44
17:29:31	सूर्यास्त	18:30:00
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 4वर्ष 9मा 26दि	14:23:40	मक	लग्न	सिंह	05:03:32	बुध 9वर्ष 1मा 20दि
शुक्र	03:43:52	धनु	सूर्य	मीन	23:46:59	शुक्र
15/10/2008	26:13:06	मीन	चंद्र	मीन	22:49:58	28/05/2013
15/10/2028	00:40:39	कन्या	मंगल व	सिंह	25:36:08	28/05/2033
शुक्र 14/02/2012	23:38:49	धनु	बुध	मेष	12:42:25	शुक्र 26/09/2016
सूर्य 14/02/2013	28:26:09	धनु	गुरु	मक	22:17:57	सूर्य 26/09/2017
चन्द्र 15/10/2014	08:36:42	वृश्चि	शुक्र	मीन	25:00:56	चन्द्र 28/05/2019
मंगल 15/12/2015	07:00:59	मीन	शनि	मीन	17:21:54	मंगल 27/07/2020
राहु 15/12/2018	10:27:06	कन्या व	राहु व	कन्या	04:53:39	राहु 28/07/2023
गुरु 15/08/2021	10:27:06	मीन व	केतु व	मीन	04:53:39	गुरु 28/03/2026
शनि 15/10/2024	08:46:27	मक	हर्ष	मक	14:19:47	शनि 28/05/2029
बुध 16/08/2027	02:33:27	मक	नेप	मक	05:58:25	बुध 28/03/2032
केतु 15/10/2028	10:07:02	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:32:21	केतु 28/05/2033

लग्न-चलित

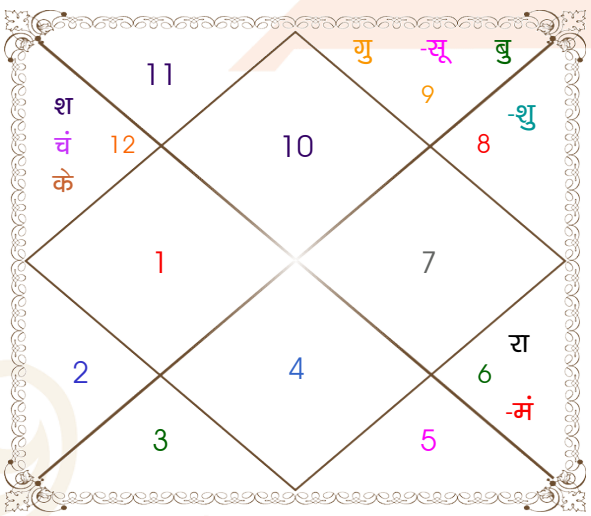

लग्न-चलित

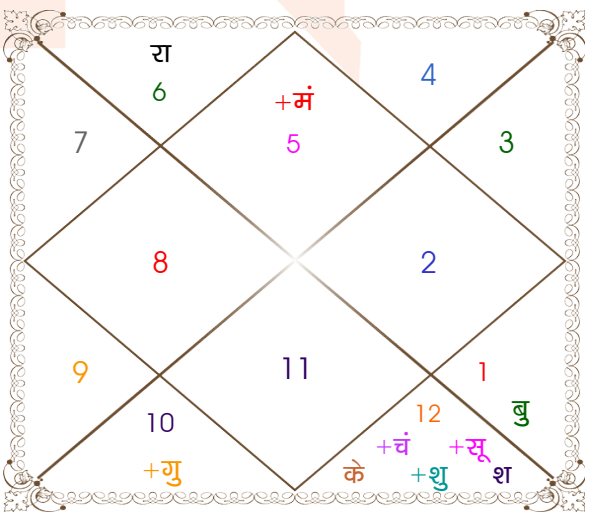

Pulak Sagarm - Hastrekha,Jyotish & Vastu
T - 13,Cosmo Tower,hanuman Chauraha
Jankganj, Gwalior pin code 474001

9425187186,9302614644
Astrodr.hcjain @gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतर्णेउलां का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.Sumegha jain का नक्षत्र रेवती है।

डतर्णेउलां का वर्ग सिंह है तथा Ms.Sumegha jain का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णेउलां और Ms.Sumegha jain का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णेउलां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.Sumegha jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतर्णेउलां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णेउलां तथा Ms.Sumegha jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।